इंडस्ट्री की दिक्कतों पर सरकारी मीटिंग के ऐलान से होलसेल मार्केट में दाम चढ़े

शुगर की कीमतों में आई तेजी, स्टॉक बेचने में जुटे कारोबारी

[जयश्री भोसले | पुणे]

चीनी के कारोबारियों में अपना स्टॉक बेचने की आपाधापी मच गई है। वे फैक्टरी रेट्स से भी कम दाम पर चीनी बेच रहे हैं। उन्हें डर है कि शुगर इंडस्ट्री की समस्याओं पर चर्चा करने के लिए बैठक करने की सरकार की घोषणा से कीमतों में जो रैली दिख रही है, वह मीटिंग से कोई ठोस नतीजा नहीं निकलने पर फुस्स हो सकती है। ऐसे में जितना जल्दी हो सके, चढ़े दाम पर स्टॉक निकाल देना अच्छा है।

बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अशोक जैन ने कहा, 'सरकार की ओर से कोई निर्णय होने की उम्मीद में दाम चढ़ रहे हैं। सरकार ने 17 अगस्त को बैठक बुलाई है। अगर मीटिंग में कोई ठोस निर्णय नहीं होता है तो कीमतों में दिख रही रैली हो सकता है कि खत्म हो जाए।'

एक जाने माने शुगर मिलर ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा कि मीटिंग करने का ऐलान पहली अगस्त को किया गया था और तबसे कीमतों में बढ़ोतरी शुरू हुई, लेकिन रैली तभी बरकरार रह सकती है, जब सरकार बढ़ती सप्लाई से जूझ रही इंडस्ट्री की मदद की कोई घोषणा करे।

कोल्हापुर की एक शुगर मिल के सीनियर एग्जिक्यूटिव ने कहा, 'साउथ इंडिया में सावन का महीना शुरू होने को है। दशहरा पर्व अभी काफी दूर है। चीनी की कीमतों में मौजूदा बढ़ोतरी को सपोर्ट करने की कोई बुनियादी वजह नजर नहीं आ रही है।'

एग्जिक्यूटिव ने कहा कि बगैर किसी फंडामेंटल वजह के पिछले सप्ताह में ही दाम करीब 12 पर्सेंट बढ़ गए। फिर भी महाराष्ट्र में एक्स-मिल शुगर प्राइस 19 रुपये किलो है, जो इसका पांच वर्षों का निचला स्तर है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि देश में लगातार छठे साल सरप्लस शुगर प्रॉडक्शन की स्थिति बन रही है।

> **"साउथ इंडिया में सावन का महीना शुरू होने को है। दशहरा पर्व अभी काफी दूर है। चीनी की कीमतों में मौजूदा बढ़ोतरी को सपोर्ट करने की कोई बुनियादी वजह नजर नहीं आ रही है**
>
> **एग्जिक्यूटिव,** कोल्हापुर की एक शुगर मिल

चीनी के दाम में बढ़ोतरी शुरू होने के बाद से होलसेल मार्केट्स में चीनी की बिकवाली मिलों से ज्यादा दिख रही है। सोमवार को महाराष्ट्र के लिए ऐवरेज एक्स-मिल शुगर प्राइस सबसे छोटे दाने वाली एस-30 ग्रेड की चीनी के मामले में 25-25.50 रुपये किलो रही, जबकि मुंबई के वाशी होलसेल मार्केट में यही वेरायटी 24.60-25.32 रुपये किलो के भाव पर बेची जा रही थी। शुगर मिलर ने कहा, 'ट्रेडर्स फैक्टरी रेट्स से कम भाव पर चीनी इसलिए बेच पा रहे हैं क्योंकि वे अपने पहले के स्टॉक्स से चीनी ला रहे हैं।'

ट्रेडर्स जहां ऊंचे दाम पर अपना स्टॉक घटा रहे हैं, वहीं मिलें ज्यादा चीनी नहीं बेच सकी हैं क्योंकि उन्हें उम्मीद लगी हुई है कि दाम और चढ़ेंगे। वेस्टर्न महाराष्ट्र की एक शुगर मिल के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा, 'मिलें पहले छह-सात दिन तो इसी इंतजार में थीं कि दाम और चढ़ें। जब उन्होंने टेंडर जारी किए तो एनसीडीईएक्स और होलसेल मार्केट्स में रेट कुछ कम हो गए।'